Civil20 - LiFE Working Group

LiFE is our responsibility!

सिविल 20- LiFE (पर्यावरण सम्मत जीवनशैली) कार्यकारी समूह

LiFE हमारा दायित्व ! !

भूमिका पत्र

Dr. Gajanan Dange,
President, YOJAK Center for Research and Strategic Planning for Sustainable Development
India Coordinator, LiFE, Working group of Civil20 (An Engagement Group of G20)
Reach us life@yojak.org.in www.yojak.org.in

CIVIL 20 INDIA 2023

G20 भारत 2023 INDIA

सिविल20 कार्य गुट, G20 प्रक्रिया में सम्मिलित समूहों में से एक समूह है। सिविल 20 (C20) का उद्देश्य दुनिया भर के नागरिक समाजों की मुद्दों, विचारों और समाधानों को एक साथ लाना है। C20 समूह से अपने समाज के विविध स्वरूपों का लाभ उठाते हुए ये उम्मीद की जाती है कि यह G20 प्रक्रिया को समावेशी, जन-केंद्रित, लोकतांत्रिक और बेहतर जानकारी की दिशा में कार्य करेगा।

नागरिक समाज का कार्य करने वाले विभिन्न पहलुओं को सम्मिलित करने के लिए C20 ने भारत में 14 कार्यकारी समूह तैयार किये है। पिछले कुछ वर्षों से, भारत वैश्विक चर्चा के लिए आवश्यकता वाले मुद्दों में से एक के रूप में 'जीवनशैली' को भी उजागर कर रहा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य, संस्कृति, महिला-नेतृत्व विकास आदि के अलावा, LiFE (पर्यावरण सम्मत जीवनशैली) को एक महत्वपूर्ण कार्य समूह के रूप में पहचाना गया है।

डॉ. गजानन डांगे, योजक (YOJAK) Center for Research and Strategic Planning for Sustainable Development को C20 LiFE कार्यकारी समूह के राष्ट्रीय समन्वयक के रूप में नामित किया गया है।
भारत में समाज संचालित निर्णय लेने की परंपरा रही हैं। भारत के नेतृत्व के दौरान , समुदाय के निर्णय लेने में भागीदारी, विशेष रूप से जीवनशैली के बारे में समुदाय की भूमिका को उजागर करने में C20 की भूमिका महत्वपूर्ण होगी । यह भूमिका पत्र LiFE कार्यकारी समूह की विचार प्रक्रिया को बताता है तथा G20 की भारत की अध्यक्षता के वर्ष में LiFE कार्य समूह के लिए उद्देश्यों, कार्यक्रमों आदि का प्रस्ताव बताता है।

LiFE(पर्यावरण सम्मत जीवनशैली) कार्यकारी समूह : 'LiFE हमारा दायित्व ! !

"शक्ति हमारे गलत व्यवहार में नही बल्कि सही कारवाई में समाहित होती है."

– एकात्म मानव दर्शन , पंडित दीन दयाल उपाध्याय

"सतत विकास" के एक वैश्विक कार्य बिंदु बनने के साथ, आधुनिक दुनिया पर समावेशी विकास की जिम्मेदारी भी है। विकास के साथ-साथ संरक्षा एक चुनौती है। यदि हम 'संरक्षण' से एक कदम आगे बढ़ते हैं और 'पुनर्निर्माण' की अवधारणा को भी जोड़ते हैं, तो यह और भी बड़ी चुनौती प्रतीत होती है। चुनौती इसलिए भी बड़ी है क्योंकि 'विकास' एक पीढ़ी में हो सकता है, लेकिन 'संरक्षण' और 'पुनर्निर्माण' को कई पीढ़ियों तक अमल में लाना होता है।

सदियों से, प्रकृति की पूजा करने वाले समुदायों ने उस पर अधिकार करने के बजाय उससे कृतज्ञता पूर्व व्यवहार को चुना है। उन्होंने हमेशा अपनी जीवन शैली में सभी के हितों को ध्यान में रखा है ।मानव जाति में इस तरह से जीवन जीने वाले व्यक्ति दया, दूसरों की सेवा, आनंदित रहना, रचनात्मक होना, प्रकृति का सम्मान करना अपनी 'जिम्मेदारी' मानते हैं। यह जिम्मेदारी कोई एक वक्त का कार्य नहीं है बल्कि पर्यावरण के प्रति एक दृष्टिकोण विकसित करना और उसी के अनुसार जीवन शैली को आकार देना है। व्यावहारिक रूप से देखे तो जीवन शैली विशिष्ट रूप से व्यक्तिगत है, लेकिन इसका प्रभाव सामाजिक परंपराओं पर भी दृढ़ता से पड़ता है । सामाजिक परंपरा आगे संस्कृति द्वारा संरक्षित और प्रेरित होती है। इन मानवीय प्रणालियों में शासन की भूमिका सरंक्षण तथा सहयोगी की बनती है।

योजक:

भारत ने अपने कई हज़ार साल के इतिहास में कई सारी अपदाओ और मुसीबतों का सामना करने के साथ ही विदेशी शासनों का भी सामना किया है। भारत माता ने ना सिर्फ खुद जिन्दा रहने के लिए संघर्ष किया है बल्कि उन्होंने खुद को समृद्ध भी किया है, और इसके पीछे का एक मात्र कारण ये है कि यहाँ रहने वाले लोगों ने मौजूदा हालात के बदलाव की अपनी जिम्मेदारी को समझा है और कई पीढियों से सतत प्रयास किया है।
विविधता का प्रतीक होने के बावजूद, भारत ने अपने इतिहास में कई बार जीवन उद्देश्यों के प्रति एकता दिखाई है। हाल की महामारी में, जब भारतीय लोगों ने वायरस पर शानदार जीत हासिल की तो ये सरकार और उद्योग जगत के उपयुक्त सहयोग से भारतीय समुदायों और सामुदायिक सेवा संगठनों द्वारा निभाई गई नेतृत्वकारी भूमिका को प्रदर्शित करता है।

हमारी शिक्षा में मनुष्य को परिसर का केंद्र नहीं बल्कि परिसर का एक हिस्सा माना गया है । प्रत्येक जीवन और जीवन का स्वरुप पवित्र और पूज्यनीय है। इस प्रकार, विविधता, यहाँ तक कि मनुष्यों का विविध स्वभाव भी जीवन का एक अभिन्न और आवश्यक पहलू है। श्री धर्मपाल जी, प्रसिद्ध गांधीवादी विद्वान और भारतीय शोधकर्ता ने कहा है कि , "प्रत्येक समुदाय अपने परिवेश और पारिस्थितिकी का एक अभिन्न अंग है - 'परिसर'। परिसर में रहने वाले सभी सजीव और निर्जीव घटक तथा उसमें रहने वाले प्रत्येक मनुष्य का एक दूसरे पर गहरा प्रभाव पड़ता है और वे आपस में मजबूती से जुड़े हुए हैं।" प्राचीन काल से ही भारतीय लोगों ने नदियों, पहाड़ों, जंगलों, पक्षियों, जानवरों और मधुमक्खियों को संरक्षित किया है, हालांकि, विकसित बनने के प्रयास में आज, इनमें से कुछ प्राचीन सिद्धांतों को भुला दिया गया है।

विभिन्न समुदाय और व्यक्ति आज अपने जीवन में पारंपरिक और आधुनिक इन दोनों मूल्यों को लाने की कोशिश कर रहे हैं। वे वन संरक्षण, आजीविका, यातायात के मुद्दों, न्यूनतम जीवन शैली पर काम कर रहे हैं, पर्यावरण पर उद्योगों और व्यापार के प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तथा नए उत्पादों, प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं को खोजने का प्रयास कर रहे हैं।

LiFE के विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से हमारे पास, मूल भारतीय जीवन शैली, जो कि पर्यावरण को केंद्रीभूत रखकर बनी थी, उसे समझने, मूल्यांकन करने और प्रचार करने का एक शानदार अवसर हैं। आज के समुदाय और लोग इस सोच को व्यवहार में लाने के लिए क्या कर रहे हैं ये दिखाने का यह एक अवसर होगा। प्रत्येक कार्यक्रम के माध्यम से, हम पर्यावरण की सुरक्षा और उत्थान को मांग के बजाय सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। कार्यक्रमों को प्रतिभागियों को एक ऐसी जीवन शैली अपनाने में मदद करनी चाहिए जो कि विशेष रूप से पर्यावरण के साथ संरेखित हो। इस प्रक्रिया में दुनिया भर के CSO का ध्यान समृद्ध भारतीय परंपराओं जो कि उन सभी के अलग- अलग समुदाय और अलग अलग परिस्थिति में भी प्रासंगिक है, के अध्ययन और संश्लेषण की दिशा में आकर्षित करने की क्षमता है। अंत में, लेकिन ये भी बहुत विशेष है कि, इस प्रक्रिया का अभिलेखागार वर्तमान और भविष्य की सरकारों और समाज के लिए बड़े पैमाने पर निष्पक्षता और न्याय को वास्तव में सतत तरीके से संचालित करने के लिए एक संदर्भ बिंदु के रूप में काम करेगा

CIVIL 20 INDIA 2023

G20 भारत 2023 INDIA

LiFE के उप-विषय कौन से हैं?

भारतीय "जीवन दृष्टि" (लाइफ विजन) और "जीवन शैली" (लाइफस्टाइल) LiFE के मूल में हैं। जमीनी स्तर पर नई खोजे, भोजन, फैशन, आवास, शिक्षा, जल, उद्योग, युवा, अपशिष्ट प्रबंधन, प्रकृति-आधारित समाधान, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों का जुड़ाव आदि जैसे कार्यक्रम उप - विषय के रूप में जाने जाते हैं तथा उच्च अनुभवी, प्रतिबद्ध उप-विषय समन्वयकों द्वारा इसका नेतृत्व किया जा रहा है।

LiFE कार्यकारी समूह प्रक्रिया का एकमात्र संदेश क्या है?

"LiFE - पर्यावरण सम्मत जीवनशैली!" यह सन्देश जो कि G20 प्रक्रिया के बाद भी लम्बे समय तक याद रखा जाना चाहिए.

LiFE कार्यकारी समूह कि प्रक्रिया को क्या हासिल करना चाहिए?

1. "पर्यावरण के लिए जीवन शैली" को संरेखित करने की प्रमुख अवधारणा के बारे में जागरूकता पैदा करें.
2. पर्यावरण सम्मत जीवनशैली अपनाने के लिए के लिए व्यक्ति, समुदाय और संगठनात्मक स्तर पर कदम उठाने के लिए आत्मविश्वास पैदा करें।
3. लोगों को LiFE अपनाने के लिए अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए नीतिगत स्तर पर प्रयास करें।

उद्देश्य और संदेश देने के लिए कार्यक्रमों को क्या प्रदर्शित करना चाहिए ?

- जीवनशैली के भारतीय सिद्धांत यानि जीवनशैली जो ऋतुचर्या और दिनचर्या पर निर्देशित है, यानि मौसमी और दैनिक चक्रों द्वारा निर्देशित दिशा निर्देश
- कार्यक्रम उन व्यक्तियों, समूहों, समुदायों के वर्तमान और ऐतिहासिक प्रयासों, संघर्षों और उपलब्धियों को प्रदर्शित करेंगे जिन्होंने LiFE को अपनी जिम्मेदारी माना है
- विचारों, विचार-विमर्शों और चर्चाओं के सामूहिक मंथन का भारतीय तरीका जो स्पष्टता, स्वीकार्यता और सद्भाव की ओर ले जाता है

हम इनके प्रयासों को दर्शायेंगे:

- ऐसे **व्यक्तियों को** जिन्होंने परंपराओं, कला, प्रकृति, ज्ञान के संरक्षण को अपना जीवन उद्देश्य बना लिया ताकि पृथ्वी पर जीवन बेहतर हो सके।
- **संस्थाएं और संगठन** जो जीवन को पर्यावरण के साथ अच्छी तरह से जोड़ने के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं
- **वंचित समूह** जो कुछ नुकसान के कारण एक साथ आते हैं, हालांकि, CSO की सहायता के साथ या उसके बिना, अपने स्वयं के स्वार्थों से परे एक उद्देश्य प्राप्त करते हैं
- **पारिस्थितिक तंत्र** समुदाय जो समान रूप से जीवंत 'पारिस्थितिकी तंत्र संस्कृति' के माध्यम से कठिन क्षेत्रों में फले-फूले और समृद्ध हुए हैं

योजक:

- समुदाय द्वारा स्थापित एक सर्वोत्तम अभ्यास का **अध्ययन, स्थानीयकरण, प्रतिकृति और रूपान्तरण,** जहां एक CSO कई वर्षों से व्यवस्थित प्रयासों में लगा हुआ है।
- **एक आंदोलन** जो एक बड़े भौगोलिक क्षेत्र में तेजी से फैल गया क्योंकि लोग आम परंपराओं और संस्कृति से बंधे हुए थे और बेहतर से बेहतर बनने में विश्वास रखते थे
- **"मातृ-शक्ति"** (महिला) की महत्वपूर्ण भूमिका - जब हम एक माँ की तरह सोचते हैं तो कितनी जबरदस्त ऊर्जा उत्पन्न होती है। - विचार नेतृत्व और संरक्षण और उत्थान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका।
- आवासीय समुदाय /स्कूलों/कॉलेजों/या पेशेवर नेटवर्क जैसे **सामाजिक/पेशेवर व्यवस्था** द्वारा ली गई जिम्मेदारी
- सामाज के प्रति कर्तव्य दिखाते हुए , **इंडस्ट्रीयों** द्वारा ली गयी जिम्मेदारी (कार्य प्रारूप में बदलाव, स्त्रोत का इस्तेमाल इत्यादि)

संभावित परिणाम क्या है ?

- विस्तृत नीति, जो G20 के साथ LiFE से जुड़े मुद्दे पर नागरिक समाज के विचार के भाग के रूप में साझा की जाएगी।
- बड़ी संख्या में 'जिम्मेदार' व्यक्तियों और संस्थानों का जुटाव जो LiFE के लिए व्यक्तिगत या सामुदायिक पहल करना चाहते हैं

C20 LiFE की गतिविधियों के कुछ और सकारात्मक असर दुनिया भर में फैलने की उम्मीद है, जिनमें शामिल हैं:

- पर्यावरण के लिए भारतीय जीवन शैली का दुनिया भर में फैलना
- जीवन शैली और स्थिरता के भारतीय दर्शन, शब्दावली और प्रथाओं का प्रचार करने के लिए तंत्र और विधियों को मजबूत करना
- वैश्विक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर, संस्कृतियों तथा राष्ट्रों के स्तर पर एक जिम्मेदार जीवन जीने तथा सततता लाने के लिए सहयोग तथा साझेदारी।

किसे भाग लेना चाहिए? कौन दिखाई देना चाहिए ?

- युवा तथा बच्चे
- वरिष्ठ जन तथा उनका अनुभव
- प्रत्येक हिस्से के लोग, जिन्होंने सन्तुलन बनाने के लिए छोटी-छोटी चीज़ों को अच्छी तरह से प्रबंधित किया है। सभी संस्कृतियों के लोग जो एकता में विश्वास करते हैं
- समाज के विभिन्न वर्ग के लोग जो पर्यावरण के प्रति स्वयं को जिम्मेदार महसूस करते हैं तथा गीत, नृत्य, भोजन, पहनावा, जीवन शैली आदि में से कुछ भी करते हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- शुभारंभ कार्यक्रम
- मुख्य संगोष्ठी (विभिन्न समानांतर विषय)
- सह विषय संगोष्ठी तथा कार्यक्रम
- व्याख्यान श्रृंखला

Dr. Gajanan Dange,
President, YOJAK Center for Research and Strategic Planning for Sustainable Development
India Coordinator, LiFE, Working group of Civil20 (An Engagement Group of G20)
Reach us life@yojak.org.in www.yojak.org.in